

2016/63 ✓

FORM NO -III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत कलक्टर,

मुकाम

नागौर

प्रार्थी

नाथू पुत्र बिरदा खां जाति  
मुसलमान लुहार निवासी  
खारचियां तहसील जैतारण  
जिला पाली

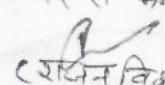


बनाम

अप्रार्थी

दयाल पुत्र जयराम जाति जाट निवासी लिलिया  
तहसील मेड़ता जिला नागौर वगैराह

किस्म मुकदमा राजस्व मुन्तकिल प्रार्थना पत्र संख्या... 86 सन् 2016

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम इस हुकम की तारीख जारी हु
25.10.2016	<p>प्रार्थी ने यह मुन्तकिल प्रार्थना पत्र धारा 235 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत सहायक कलक्टर रियांबडी के यहां विचाराधीन मुकदमा नम्बर 76/2016 बीरदा बनाम दयाल वगैराह की पत्रावली को मुन्तकिल किये जाने हेतु प्रस्तुत किया है। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर हो। पैरावाइज टिप्पणी तलब हो। अप्रार्थी संख्या 5 व 6 के नोटिस जरिये रजिस्टर्ड एवं बकाया साधारण डाक से जारी होकर तलब हो। पत्रावली दिनांक 21.11.2016 को पेश हो।</p>	
21.11.16	<p>वकील प्रार्थी उपर। जात आदेश नुसार अप्रार्थी गण के नोटिस पेश होने पर जारी हो तथा LC से पैरावाइज टिप्पणी तलब होकर पत्रावली दिनांक 19/12/16 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">जिला कलक्टर, नागौर</p>	
19/12/16	<p>वकीलाय उपस्थित। श्रीमान् पी.ओ. साहब आज 1 मिनट के रिप्ल ड्रेनिंग में बाहर प्यारे हुकम पत्रावली दि... को पेश हो।</p>	
16/17	<p>वकील प्रार्थी उपर। उपरवर्त अधिवारी रिचाबडी से प्रकरण में पैरावाइज टिप्पणी चाही गई, जिसके क्रम में उनके द्वारा पत्रांक-राजस्व/16/1061 दिनांक 15-12-16 से अवगत कराया है कि मुकदमा अनवान बिरदा बनाम दयाल 76/68 का निर्णय दिनांक 13.10.16 को ही हो चुका है। दिनांक 15-12-16 शा.प्रि. है। वकील प्रार्थी द्वारा सहायक कलक्टर रिचाबडी के यहां विचाराधीन मुकदमा सं. 76/68 बिरदा एवं बनाम दयाल वगैराह किसी अन्य-आयालय में मुन्तकिल किये जाने हेतु प्रार्थना प्रस्तुत किया है। उपरवर्त अधिवारी रिचाबडी के यहां पत्रांक 16/17 के अन्तर्गत</p>	

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
	<p>             हो चुका है। ऐसी स्थिति में प्रार्थी के मुत्तकिल              प्रार्थना पत्र का अब कोई औचित्य नहीं रहने              से प्रार्थी का मुत्तकिल प्रार्थना पत्र स्मरदीन              हो गया है।              अतः प्रार्थी के मुत्तकिल प्रार्थना पत्र का              कोई औचित्य नहीं होकर स्मरदीन हो जाने के              आधार पर प्रार्थी का यह मुत्तकिल प्रार्थना पत्र              रद्द किया जाता है। आदेश की इस प्रति              अधिवक्ता-दफ्तरालय को पालनार्थ लिखवाई जावे              पत्रा नली पैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।           </p> <p style="text-align: right;">               (राजनि विशाल)              कलकट्टर, नागौर           </p>	<div style="text-align: right; margin-bottom: 20px;">  </div> <div style="text-align: right;">  </div>